800 श्रद्धालुओं ने किया हवन-पूजन

परमहंस योगानंद की 125वीं जयंती धूमधाम से मनी, आश्रमों में भंडारे का आयोजन

जागरण संवाददाता, रांची : भारत में योगदा सत्संग सोसाइटी और अमेरिका में सेल्फ-रिलाइजेशन फेलोशिप के संस्थापक परमहंस योगानंद जी की 125वीं जयंती शनिवार को रांची समेत देशभर में मनाई गई। रांची, नोएडा, दक्षिणेश्वर और द्वाराहाट आश्रम तथा देश के विभिन्न भागों में स्थित सभी 200 ध्यान केंद्रों में विशेष ध्यान, पूजा-अर्चना और भंडारे का आयोजन किया गया। रांची आश्रम में कार्यक्रम की शुरुआत ध्यान, प्राणायाम व भक्तिमय भजनों से हुई। आश्रम स्थित शिव मंदिर प्रांगण में गुरु पूजा का आयोजन किया गया।

योगदा सत्संग आश्रम में कार्यक्रम के दौरान प्रसाद ग्रहण करते विदेशी श्रद्धालु • जागरण

आश्रम स्थित मंदिर में भगवान शिव की पूजा के उपरांत परमहंस योगानंदजी समेत योगदा के सभी गुरुओं की पूजा वैदिक विधि-विधान से की गई। सभी भक्तों की ओर से आश्रम के संन्यासियों ने शिव-मंदिर प्रांगण में यज्ञ कर सभी के मंगल की कामना की। योगदा आश्रम प्राचीन ध्यान, प्राणायाम व योग विशेषकर क्रिया योग के माध्यम से ईश्वर प्राप्ति व मानवता की सेवा की शिक्षा देता है। योगदा आश्रम के अनुसार महावतार बाबाजी, श्री श्री लाहिड़ी महाशय, स्वामी श्रीयुक्तेश्वरजी व परमहंस योगानंदजी ने विभिन्न कालखंडों में प्राचीन क्रिया योग विज्ञान को मानवता के उद्धार का माध्यम बनाया। शिव पूजा व गुरुपूजा के दौरान गुरुजी परमहंस योगानंदजी समेत सभी योगदा गुरुओं की भी पूजा की गई। साथ ही उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की गयी। इस मौके पर यज्ञ वेदी में वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ विशेष हवन किया गया। रांची आश्रम में यज्ञ व हवन के कार्यक्रम में 800 से अधिक श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया।

इसके बाद आश्रम-परिसर में भंडारे का आयोजन हुआ, जिसमें करीब 12,000 भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। गुरुजी परमहंस योगानंदजी के जन्मोत्सव के मद्देनजर जगन्नाथपुर स्थित इंदिरा नगर कुष्ठ आवासीय परिसर में भी विशेष भंडारे का आयोजन किया गया। योगदा सत्संग सूत्रों के अनुसार दक्षिणेश्वर आश्रम में पांच हजार और नोएडा आश्रम में 1,500 श्रद्धालुओं ने भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया।

दुनिया को भारतीय अध्यात्म से कराया परिचित : महेश शर्मा

परमहंस योगानंद के आविर्भाव के 125 वर्ष पूरे होने के अवसर पर नोएडा में आयोजित जन्मोत्सव में केंद्रीय संस्कृति मंत्री महेश शर्मा और सांसद भूपेंद्र यादव ने विशेष रूप से भाग लिया। महेश शर्मा ने कहा कि स्वामी योगानंद ने आधुनिक विश्व को लुप्तप्राय क्रिया योग और भारतीय अध्यात्म से परिचित कराया। यही कारण है कि योगानंद जी की जयंती भारत सरकार की ओर से संस्कृति मंत्रालय पूरे देश में मना रहा है। यह क्रिया योग लोगों के शरीर, मन और आत्मा को जिस आश्चर्यजनक तरीके से सन्तुष्टि पहुंचा रहा है, उससे प्रभावित होकर इसे अपनाने वाले लोगों की तादाद दिनोंदिन विश्व भर में बढ़ती जा रही है।

इस अवसर पर योगदा सत्संग सोसाइटी के महासचिव स्वामी ईश्वरानंद ने कहा कि आधुनिकता की दौड़ में युवा वर्ग कुछ अधिक ही तनावग्रस्त नजर आता है। वह थोड़ा सा वक्त निकालकर परमहंस योगानंद की शिक्षाओं पर अमल करते हुए क्रिया योग से जुड़े तो निश्चय ही वह शांतचित्त होकर अपेक्षाकृत बेहतर परिणाम प्राप्त करेगा। इससे समाज और देश के साथ-साथ पूरी सृष्टि का भला होगा। क्रिया योग सांसारिक कार्यों का निष्पादन करते हुए परमात्मा का आशीर्वाद प्राप्त करने की प्रविधि है। यही कारण है कि पश्चिम के लोग इसे अपनाने को उत्सुक हुए हैं। दरअसल, क्रिया योग सफलतापूर्वक जीवन जीने की वह कला है, जिसका वैज्ञानिक आधार है। इसलिए युवा वर्ग के लिए यह अधिक उपयोगी है।